International Journal for Multidisciplinary Research
Plagiarism & Intellectual Property Rights in Digital Age (PIPRDA-2023)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

वर्तमान समय मे पुस्तकालय का महत्व व सार्थकता

डॉ. रंजु गुप्ता
प्राध्यापक

पुस्तकालय हमारे शेक्षणिक व सामाजिक जीवन मे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक पुस्तकालय विभिन्न प्रकार का हो सकता है जैसे स्कूल पुस्तकालय कालेज पुस्तकालय कार्यालय पुस्तकालय या सामुदायिक पुस्तकालय आदि। पुस्तकालय में संग्रह पुस्तकों, पत्रिकाओं समाचार पत्रों, पांडुलिपियों, फिल्मों, मानचित्रों, प्रिंटों, दस्तावेजों का समावेश होता है यह कहना गलत नहीं होगा कि पुस्तकालय एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की ओर सभी विषयों की पुस्तकों का भण्डार होता है।

एक पुस्तकालय केवल एक ईमारत नहीं है जहां आप जा सकते हैं ओर एक निश्चित अवधि के लिए किताब उधार ले सकते है वास्तव में इसका अर्थ इससे कहीं अधिक है। पुस्तकालय सूचनात्मक है और आज की दुनिया में बहुत महत्वपूर्ण है जहां एक साधारण इंटरनेट खोज आपको कई परिणाम दे सकती है। जिनमें से एक भी वास्तव में आपके प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता है उस स्थिति में पुस्तकालय आपके समस्त प्रश्नों का उत्तर देता है।

1 राष्ट्रीय पुस्तकालय - एक राष्ट्रीय या राज्य या पुस्तकालय सूचना के राष्ट्रीय भण्डार के रूप में कार्य करता है किसी भी नई पुस्तक या प्रति को प्रकाशित करने वाले प्रत्येक लेखक या प्रकाशक को इन पुस्तकालयों में एक संदर्भ प्रति जमा करनी होती है।

2 अकादमिक पुस्तकालय :- आकदमिक पुस्तकालय वह है जो स्कूल ए कॉलेजों व विश्वविद्यालय के परिसरों में स्थित होता है इन पुस्तकालयों का एक मात्र उद्येश्य विशेष संस्थान के छात्र व शिक्षकों की सेवा करना है इन पुस्तकालयों में शैक्षिणक सूचियों की पुस्तकेंए समाचार पत्र पत्रिकाए विभिन्न शोध पत्र व लेख के साथ प्रश्न बैंक होते है अकादमिक पुस्तकालय परिसर के छात्रों के लिए एक शान्त अध्ययन स्थान प्रदान करता है।

3 अनुसंधान पुस्तकालय :- पुस्तकालय का एक अन्य शोध पुस्तकालय जो व्यक्तियों द्वारा किसी विशेष विषय पर वैज्ञानिक या विद्ववातापूर्ण शोध के लिए एक या अधिक विषयों पर सामाग्रियों का विशेष संग्रह है एक शोध पुस्तकालय एक अकादमिक या राष्ट्रीय पुस्तकालय भी हो सकता है

4 संदर्भ पुस्तकालय :- इस प्रकार पुस्तकालय कालेज विश्वविद्यालयों व कार्यालयों में पाये जाते है ऐसे पुस्तकालयों का उपयोग शोध उद्येश्यों के लिए किया जाता है।

5 विशेष पुस्तकालय :- अस्पतालों , संग्रहलार्यो, अनुसंधान प्रयोगशालाओ, कानून फार्मों व कई सरकारी विभाग व ऐसे सियों सहित कई नीजि व्यवसाय व सार्वजनितक संगठन ने अपने कर्मचारीयों के उपयोग के लिए उनके काम से सम्बन्धित विशेष शोध करने के लिए अपने स्वयं के पुस्तकालय बनाय है जैसे कानूनी फर्म अपने कर्मचारियों द्वारा संदर्भ के लिए जब भी किसी मामले के लिए परार्मश करने की आवश्यकता होती है तो विभिन्न कानून पुस्तकें रखती है।

पुस्तकालय हमारे पूरे जीवन मे बहूत ही भूमिका निभाते है । पुस्तकालय छात्रों को सीखनें के साथ-साथ नोट्स बनाने या असाइन्मेंट पुरा करने के लिए बहुत स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है। पुस्तकालय एक बहुत ही शांत व

अनुशासित वातावरण प्रदान करते है। जो छात्रों को उनकी पढाई पर अच्छी एकाग्रता बनाय रखने में मदद करता है साथ ही छात्र संदर्भ पुस्तके ले सकते है। जो उन्हें कुछ गुणवतापूर्ण नोटस बनाने में मदद कर सकती है। पुस्तकालय का वातावरण शांत होता है इसलिए छात्र कम समय मे अधिक लाभ प्राप्त करते है पुस्तकालयों में पढ़ने से समय व ऊर्जा की बचत होती है।

पुस्तकालय प्रत्येक आयु वर्ग के एक ओर सभी के लिए एक द्वार प्रदान करता है पुस्तकालय ज्ञान-विज्ञान की रहस्यमय जानकारी को प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका को निभाते है ।

ये हमे संत्संगति प्रदान करते है हमे अज्ञान के अंधकार से ज्ञान में प्रकाश की ओर ले जाते है। इसलिए हमे पुस्तकालयों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए ।

विद्यार्थी शिक्षक ए प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय इन चारो के सम्मिलित सहयोग से शिक्षा के उद्येश्य की पूर्ति होती हैए इनमें से किसी एक के न होने से भी शिक्षा की सफलता संभव नही होती है। इन चारों में पुस्तकालय आधारभूत साधन है। अध्ययन, अध्यापन प्रयोग तीनों के लिये पुस्तकालय की अनिवार्य आवश्यकता है।

इस प्रकार यह निर्विवाद सत्य है कि पुस्तकालय की उपयोगिता शिक्षा के लिये सर्वोपरि है पुस्तकालय ही एक ऐसा अस्त्र है जो सफलतापूर्वक अशिक्षा के गहन अंधकार को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश को बिखेर सकता है।

.